जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 | वर्षः 17 | संख्याः 175 | प्रभात | चूरू, गुरुवार 23 अक्टूबर, 2025 | पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

गत दो दशकों से बिहार के हर चुनाव की शुरुआत नीतीश से होती थी और अंत भी उन्हीं पर होता था

पर अब गिरते स्वास्थ्य के कारण नीतीश के लिए कठिन हो गया है, जदयू को उन्हें मुख्यमंत्री बनाने के लिए बाध्य करना

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार के प्रभुत्व के कारण बिहार की राजनीति चिरपरिचित और जाने –माने तरीके से ही आगे बढ़ रही थी। अब उनके पीछे हटने से जातीय समीकरणों, गठबंधन की चालों और राजनीतिक अस्तित्व की जद्दोजहद का ऐसा खुला मैदान तैयार हो गया है, जो एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) को भी नया रूप दे सकता है। हालांकि, नीतीश ने चुनाव से खुद को पूरी तरह अलग नहीं किया है, लेकिन गिरते स्वास्थ्य के कारण उनके लिए अपनी पार्टी, जनता दल (यूनाइटेड), को फिर से मुख्यमंत्री की कुर्सी तक ले जाना मुश्किल हो रहा है।

पिछले बीस वर्षों से बिहार में हर चुनाव नीतीश कुमार के नाम से शुरू होकर उन्हीं पर खत्म होता था। पार्टियां, गठबंधन, जातीय जोड़–तोड़, सब कुछ उन्हीं के इर्द–गिर्द घूमता था। लेकिन 2025 का चुनाव उनके स्वास्थ्य कारणों से उनके राजनीतिक सफर के अंतिम चरण जैसा लग रहा है।

- वर्तमान चुनाव में राजनीतिक दल त्रिकोणीय संघर्ष में उलझे हैं और अब बिहार की राजनीति एक ही नेता के चारों तरफ ही नहीं घूमेगी, बल्कि कई सितारे उभरे हैं, अपने-अपने प्रभाव क्षेत्र को बढ़ाने के लिए।
- भाजपा ने अपना दांव कुशवाहा जाति पर लगाया है, जिसके नेता सम्राट चौधरी को अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में प्रस्तुत कर रही है।
- भाजपा के मुख्यमंत्री पद के लिए दूसरा विकल्प है, एक्स्ट्रीमली बैकवर्ड क्लास (ईबीसी) के नेता (36 प्रतिशत जनसंख्या) हरी सहनी
- जदयू की एक दिक्कत यह है, कि हालांकि, उसकी मूल ताकत बिहार में ईबीसी वोट बैंक है, किन्तु उसके चार में से तीन नेता सवर्ण हैं।
- जदयू की समस्या यह भी है कि नीतीश ने अपने व्यक्तित्व के कारण पार्टी को बांधे रखा और किसी को इतना ताकतवर नहीं बनने दिया कि उनकी जगह ले सके।

नीतीश के धीरे–धीरे सक्रिय राजनीति से पीछे हटने के साथ, बिहार की राजनीति की गति और परिणाम दिशा तय करने वाले एक नेता द्वारा छोड़ा गया खालीपन एकदम सामने नज़र आने लगा है।

इस खालीपन ने सत्ता की लड़ाई को त्रिकोणीय संघर्ष बना दिया है। भाजपा इस जगह को भरने की कोशिश में है, जदयू अपने परंपरागत वोटबैंक को बचाने की जद्दोजहद कर रही है, और छोटी पार्टियां अपना हिस्सा बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास में लगी हैं। इसका नतीजा सिर्फ यह तय नहीं करेगा कि बिहार में कौन सरकार बनाएगा, बल्कि यह भी कि, जाति, नेतृत्व की महत्वाकांक्षाओं और चुनावी गणित के दबावों के बीच एन.डी.ए. एकजुट रहेगा है या बिखर जाएगा।

इसने एक ऐसे चुनाव का मंच तैयार कर दिया है, जो किसी एक बड़े नेता द्वारा नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धी नेताओं के एक समूह द्वारा परिभाषित होगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी ने गुजराती नववर्ष की शुभकामनाएं दीं

नयी दिल्ली, 22 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को गुजरातवासियों को गुजराती नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी ।

- राहुल गांधी ने भी गुजराती नववर्ष की शुभकामना दी। दोनों नेताओं ने एक्स पर सभी के लिए सुख, शांति व समृद्धि की कामना की।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में अपने संदेश में कहा, ''यह नव वर्ष हर घर में सुख, शांति, समृद्धि और आनंद लाए। गुजरात की उपजाऊ मिट्टी और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से धन्य प्रदेश के मेहनती लोगों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। आपकी भावना और जीवंतता सदैव चमकती रहे।''

गांधी ने एक्स पर पोस्ट अपने संदेश में कहा, ''यह नव वर्ष हर परिवार के लिए सुख, शांति और समृद्धि लाए। गुजरात के लोगों की समृद्ध संस्कृति और मेहनती भावना वास्तव में प्रेरणादायक है–वे निरंतर ऐसे ही आगे बढ़ ते रहें।'' गांधी की शुभकामनाएं राज्य के निवासियों के कल्याण और प्रगति के लिए उनकी सच्ची आशाएं व्यक्त करती हैं।

छः दिन में चौथी बार ट्रंप ने दोहराया कि मोदी ने उनसे फोन पर नया वादा किया

वादा है, ''भारत अब रूस से तेल की खरीद लगातार कम कर रहा है''

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के बार–बार के इन दावों के बाद एक कूटनीतिक और राजनीतिक संकट उत्पन्न हो गया है, जिसमें उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया था कि भारत रूस से कच्चे तेल की खरीद में काफी नमी करेगा। कांग्रेस ने कहा कि ''जो मोदी छिपाते हैं, वह ट्रंप उजागर करते हैं।''

हालांकि मोदी ने ट्रंप के दीवाली शुभकामनाओं का गर्मजोशी से स्वागत किया, उन्होंने तेल आयात के विवादास्पद मुद्दे पर चुप्पी साधे रखी, जिससे विपक्षी नेताओं और विश्लेषकों के बीच बहस और आलोचना का दौर शुरु हो गया है।

जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने फिर से दावा किया कि भारत ''रूस से ज्यादा तेल नहीं खरीदेगा'' तो कांग्रेस ने हमला बोला और कहा कि यह चौथी बार है जब अमेरिकी नेता ने भारत की नीति की घोषणा की है।

विपक्षी पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''जो वह छिपाते हैं, वह ट्रंप उजागर करते हैं।''

यह हमला उस समय हुआ जब ट्रंप ने मोदी से बात की और उन्हें दीवाली की शुभकामनाएं दीं।

- विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता दूसरी तरफ बार-बार यह कह रहे हैं कि उनके पास ऐसी कोई जानकारी नहीं है कि मोदी ने ट्रंप से ऐसा कोई वायदा किया हो।
- उन्होंने यह टिप्पणी वाइट हाउस पर दिवाली का दिया जलाते हुए ट्रंप प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों और प्रमुख भारतीयों के सामने की।
- विपक्ष ने इस घटनाक्रम पर कटाक्ष किया कि मोदी छुपाते हैं और ट्रंप उजागर करते हैं।

कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने आखिरकार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने उन्हें कॉल किया और दोनों ने एक–दूसरे से बात की। लेकिन प्रधानमंत्री ने सिर्फ यही कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने दीवाली की शुभकामनाएं दीं। लेकिन जहां मोदी छिपाते हैं, वहीं ट्रंप उजागर करते हैं।'' रमेश ने एक्स पर कहा, ''अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि दीवाली की शुभकामनाएं देने के अलावा, उन्होंने रूस से भारत के तेल आयात पर बात की और यह आश्वासन लिया कि ये आयात बंद कर दिए जाएंगे। यह छः दिनों में चौथी बार है जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत की नीति की घोषणा की है।

जयराम ने कहा, पहले, राष्ट्रपति ट्रंप ने 10 मई की शाम को ऑपरेशन सिंदूर को बंद करने की घोषणा कर दी, वो भी भारत के प्रधानमंत्री मोदी से पहले।

बुधवार सुबह एक पोस्ट में, मोदी ने कहा, ''धन्यवाद राष्ट्रपति ट्रंप, आपकी कॉल और दीवाली की शुभकामनाओं के लिए।''

मोदी ने कहा, ''यह रोशनी का त्योहार है, आशा है कि हमारी दोनों महान लोकतांत्रिक प्रणालियाँ दुनिया को रोशन करती रहेंगी और सभी प्रकार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार में महागठबंधन में पड़ी दरार

12 सीटों पर घटक दलों ने एक दूसरे के खिलाफ प्रत्याशी उतारे

पटना, 22 अक्टूबर। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले ही महागठबंधन के भीतर सियासी दरारें खुलकर सामने आ चुकी हैं और सहयोगी दल 12 विधानसभा क्षेत्रों में एक– दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोल चुके हैं।

ज़मीनी हकीकत यह है कि जिस महागठबंधन ने मिलकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को चुनौती देने का सपना देखा था वो अब आपसी संघर्ष से जूझ रहा है।

इनमें से 7 सीटों पर मतदान दूसरे चरण, 11 नवंबर को होना है, जबकि 5 सीटों पर पहले चरण, 6 नवंबर को मतदान होगा। दूसरे चरण के लिये नामांकन वापसी की अंतिम तारीख गुरुवार , 23 अक्टूबर है, लेकिन अब तक इन उम्मीदवारों के हटने के कोई संकेत नहीं हैं।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस, वामदल और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के बीच सीधी टक्कर कई सीटों पर देखने को मिल रही है। सीट बंटवारे में राजद को 143 और कांग्रेस को 61 सीटें मिली थीं, लेकिन जमीनी कार्यकर्ता और स्थानीय नेताओं ने अपनी ही पार्टी की घोषणा को दरकिनार कर दिया है। राजद के छह प्रत्याशी कांग्रेस के खिलाफ चुनाव मैदान में डटे हुये हैं।

सुल्तानगंज विधानसभा क्षेत्र से राजद के चंदन कुमार सिन्हा कांग्रेस प्रत्याशी लालन कुमार के खिलाफ चुनावी मैदान में हैं। प्राणपुर विधानसभा क्षेत्र से राजद की इशरत परवीन और कांग्रेस के तौकीर आलम खड़े हैं। वैशाली विधानसभा क्षेत्र से राजद के अजय कुशवाहा कांग्रेस के संजीव सिंह के खिलाफ, कहलगांव विधानसभा क्षेत्र से राजद के रजनीश भारती कांग्रेस के प्रवीण कुशवाहा के खिलाफ, वारसलीगंज विधानसभा क्षेत्र से राजद की अनीता देवी कांग्रेस के सतीश कुमार उर्फ़ मंटन सिंह के खिलाफ और

- इन 12 में से 6 सीटों पर तो राजद और कांग्रेस आमने-सामने हैं।
- सीट शेयरिंग फॉर्मूला के तहत राजद 143 व कांग्रेस 61 सीटों, वामदल 33, मुकेश सहनी की वीआईपी 15 और इंडियन इन्क्लूसिव पार्टी 3 सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं। पर, राजद व कांग्रेस के स्थानीय नेताओं व कार्यकर्ताओं ने पार्टी नेतृत्व की बात नहीं मानी और वे चुनाव मैदान में उतर गए हैं।
- विशेषज्ञों का कहना है कि इससे सत्तारूढ़ एनडीए को लाभ होगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भीलवाड़ा के धुवाला में नया औद्योगिक क्षेत्र बनेगा

जयपुर, 22 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नवीन औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए भीलवाड़ा जिले की माण्डल तहसील के ग्राम धुवाला में राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम लिमिटेड (रीको) के लिएभूमि आवंटन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रीको को 82.60 हैक्टेयर भूमि आवंटन को मंजूरी दी।

मुख्यमंत्री ने रीको को ग्राम धुवाला में नवीन औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए 82.60 हैक्टेयर भूमि आवंटन की स्वीकृति प्रदान की है। यह भूमि राजस्थान औद्योगिक क्षेत्र आवंटन नियम, 1959 के नियम 11ए के अंतर्गत गैर प्रदूषणकारी औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की शर्त पर आवंटित की गई है।

संजय अग्रवाल व वी.के. सिंह सँभालेंगे राजस्थान की कानून-व्यवस्था

चौंतीस आईपीएस का तबादला, आनंद श्रीवास्तव डीजीएसओजी, सचिन मित्तल जयपुर पुलिस कमिश्नर बने

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 22 अक्टूबर । राज्य सरकार ने आदेश जारी कर बुधवार को भारतीय पुलिस सेवा (आई.पी.एस.) के 34 अधिकारियों का तबादला किया है। आई.पी.एस. संजय अग्रवाल और वी.के.सिंह को राजस्थान में कानून–व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जयपुर पुलिस कमिश्नर के पद से बीजू जॉर्ज जोसेफ को हटाकर अब सचिन मित्तल को यह जिम्मा दिया गया है। जोसेफ को मित्तल की जगह अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कार्मिक के पद पर लगाया है। साथ ही आई.पी.एस. दिनेश एम.एन. को एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) और एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) जयपुर का एडीजी बनाया गया है।

आदेश के मुताबिक संजय कुमार अग्रवाल को महानिदेशक पुलिस तथा वी.के. सिंह को अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, कानून एवं व्यवस्था (लॉ एंड ऑर्डर) के पद पर जिम्मेदारी सौंपी है। वर्ष 1993 बैच के आई.पी.एस. गोविंद गुप्ता को महानिदेशक ए.सी.बी. के पद पर लगाया गया है। इससे पहले वे जेल महानिदेशक थे। इसी प्रकार वर्ष 1994 बैच के आई.पी.एस. अनिल पालीवाल को सरकार ने डीजी प्रशिक्षण एवं यातायात में लगा दिया है। वे अभी तक टेलीकॉम और ट्रैफिक में अपनी सेवा दे रहे थे। 1994 बैच के आईपीएस आनंद श्रीवास्तव को महानिदेशक स्पेशल ऑपरेशन्स (एसओजी) के पद पर लगाया है। पहली बार एसओजी–एटीएस में डीजी का पद बनाया गया है।

- दिनेश एमएन को एंटी टैररिस्ट स्क्वॉड एटीएस तथा एजीटीएफ का अतिरिक्त महानिदेशक बनाया, विशाल बंसल अतिरिक्त महानिदेशक एमओजी बने।

वर्ष 1994 बैच के आई.पी.एस. अशोक राठौड़ को जेल महानिदेशक की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। मालिनी अग्रवाल को महानिदेशक एवं कमांडेड जनरल, गृह रक्षा, राजस्थान जयपुर, डॉ. प्रशाखा माथुर को अतिरिक्त महानिदेशक आयोजना, आधुनिकीकरण व कल्याण, राजस्थान के पद पर लगाया है। सुष्मित विश्वास को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक रेल्वेज राजस्थान, संजीव कुमार नर्जरी को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कम निदेशक राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर, विशाल बंसल को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, विशेष प्रचलन समूह (एस.ओ.जी.) के पद की जिम्मेदारी सौंपी है।

इसी प्रकार डॉ. हवा सिंह घुमरिया को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अपराध शाखा, राजस्थान, एस.सेंगाथिर को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सतर्कता राजस्थान, पी. रामजी को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जेल राजस्थान, रूपिन्दर सिंघ को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आर्म्ड बटालियन एवं राज्य आपदा प्रतिसाद बल (एसडीआरएफ) के पद का जिम्मा सौंपा है।

भूपेन्द्र साहू को अतिरिक्त पुलिस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वाराणसी एयरपोर्ट पर इंडिगो विमान की आपात लैंडिंग

वाराणसी, 22 अक्टूबर। कोलकाता से श्रीनगर जा रही इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान संख्या 6ई–6961 को बुधवार शाम ईंधन रिसाव (फ्यूल लीक) की सूचना के बाद वाराणसी लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग करानी पड़ी।

- विमान में ईंधन रिसाव की सूचना के बाद यह कदम उठाया गया।

पायलट ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल वाराणसी के हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) से संपर्क कर लैंडिंग की अनुमति मांगी। अनुमति मिलने पर विमान को शाम 4:10 बजे सुरक्षित रूप से रनवे पर उतारा गया।

गोमती जोन पुलिस के अनुसार, विमान में सवार सभी 166 यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। यात्रियों को सुरक्षित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विश्व के सबसे जाने-माने म्यूज़ियम लूव्र में चोरी की ऐतिहासिक घटना एक टीवी इवेंट बनी

चोरी की वारदात की कमियाँ, खास बातों पर टीवी में बहस चल रही है, जैसे कोई क्रिकेट मैच पर एक्सपर्ट कमैंट आते हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित संग्रहालयों में से एक लूव्र को चोरों के एक संगठित गिरोह ने लूट लिया और उन्होंने उन्नीसवीं सदी के अनमोल क्राउन जूल्स चुरा लिए।

चोरी किए गए आभूषण दुनिया के सबसे कीमती आभूषण हैं। जो न केवल लाखों में हैं, बल्कि अपने आप में अनूठे हैं, जिनकी जगह कोई नहीं ले सकता। ये आभूषण उन्नीसवीं सदी में फ्रांसीसी शाही परिवार के सदस्यों के थे जब कुलीन वर्ग अपनी महिमा और शक्ति के शिखर पर थे।

हीरे और पन्नों से जड़े ये आभूषण, जो यूरोप के प्रमुख आभूषण निर्माताओं की बारीक कारीगरी का नमूना थे, उस समय तो वे अद्वितीय थे ही, पर आज के दौर में चमत्कार से कम नहीं हैं। चोरों ने जिस तरह से चोरी को अंजाम दिया, उससे फ्रांसीसी पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों भारी शर्मिंदगी उठानी पड़ी है।

- घटना चोरी की अद्भूत थी, क्योंकि रात के अंधेरे में नहीं, दिन के उजाले में म्यूज़ियम खुलने के बाद हुई।
- चोरी गए आभूषण व अन्य आर्टिफैक्ट्स उस काल के थे, जब फ्रांस अपने वैभव के चरम पर था, उन्नीसवीं शताब्दी में।
- एक्सपर्ट इस बात पर एकमत से थे कि बेशकीमती हीरा-पन्ना जटित आभूषण बरामद हो जायेंगे, हालांकि, कई टीमें बनाकर भेजी जा चुकी हैं, चोरी को अंजाम देने वालों को पकड़ने के लिए।

यह कृत्य रात के अंधेरे में नहीं किया गया, बल्कि यह चोरी सुबह के समय संग्रहालय के खुलने के आधे घंटे के अंदर, पेरिस के एक व्यस्त हिस्से के बीच हुई। हालांकि, कुछ संयोग भी थे।

अपनी जल्दबाजी या कहें कि लापरवाही में, चोरों ने सम्राज्ञी यूजीन का अनमोल ताज गिरा दिया, जो नेपोलियन की पत्नी थीं, और वह सड़क पर पड़ा हुआ मिला। इस ताज में 1350 से अधिक हीरे और लगभग 57 पन्ने थे।

यह चोरी कोई गुप–चुप घटना नहीं थी, बल्कि यह खुलेआम दिन के उजाले में हुई थी, पेरिस के केंद्रीय इलाके में क्वाई फ्रैंकोइस मितराँ पर, जहाँ एक बड़ी मोबाइल सीढ़ी लूव्र की दीवारों पर लगाई गई थी, ताकि ऊपरी मंजिल के कक्ष तक पहुंचा जा सके, जहां आभूषण प्रदर्शित थे।

यूरोप भर में और प्रमुख आभूषण विक्रेताओं को इस चोरी के बारे में चेतावनी भेजी गई है ताकि इन अमूल्य कलाकृतियों के खरीद–फरोख्त को जल्दी से ट्रैक किया जा सके। हालांकि, जिस विशेषज्ञता से पूरी चोरी की योजना बनाई गई और अंजाम दी गई, इससे यह साफ है कि चोर बेहद सतर्क होंगे।

इस दुस्साहसी चोरी में चोरों ने एक ट्रक पर लदी सीढ़ी का इस्तेमाल करके संग्रहालय की पहली मंजिल की खिड़की तक पहुँचे और फिर बिजली से चलने वाले कटर से खिड़की को काटकर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद, वे एक गैलरी से होकर यात्रा की और उस कक्ष तक पहुंचे जहाँ आभूषण प्रदर्शित थे।

यह डकैती तो शर्लक होम्स को भी निश्चित रूप से हैरान करती, अगर लूव्र की चोरी का यह मामला बीसवीं सदी की शुरुआत में उनके पास आता और वॉटसन उनके सामने बैठे होते तो वे भी हैरान होते। दुर्भाग्यवश, यह घटना सौ साल बाद हुई, और अब यह केवल शर्लक होम्स सोसाइटी ही है, जो अब अपने इन–हाउस सत्रों में सक्रिय हो सकती है।

होम्स के जमाने में तो जब टीवी पत्रकारिता अस्तित्व में नहीं थी, लेकिन अभी कई यूरोपीय और अमेरिकी टीवी चैनल्स पुराने आभूषण चोरों से बातचीत कर रहे हैं, जो इस पूरे योजना के विशेषज्ञ दृष्टिकोण को साझा कर रहे हैं।

ये पुराने चोर वे पूरी योजना और कार्यान्वयन की सराहना तो करते हैं, वे कई गलतियों और असफलताओं की ओर भी इशारा करते हैं, जो चोरों को पकड़ने में मदद कर सकती हैं। उन्होंने एक मोटरसाइकिल छोड़ी है, जिसे चोरों ने जलाने की कोशिश की थी।

चुराए गए आभूषणों में नेपोलियन की रानी यूजीन और फ्रांसीसी शाही परिवार के अन्य सदस्यों के आभूषण शामिल हैं। खोए हुए आभूषण मुख्य रूप

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'गृहमंत्री अमित शाह को जन्मदिन की हार्दिक बधाई'

नयी दिल्ली, 22 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को आज 61वें जन्मदिन की हार्दिक बधाई दी।

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गृहमंत्री को एक्स पर 61 वें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर साझा किए गए एक संदेश में, शाह के जनसेवा के प्रति अटूट समर्पण और भारत के आंतरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। '' गृह मंत्री अमित शाह जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। जनसेवा के प्रति उनका समर्पण और प्रत्येक भारतीय की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए उनके अथक प्रयास वास्तव में सराहनीय हैं। ईश्वर उन्हें दीर्घायु और स्वस्थ जीवन प्रदान करे।''